

धोरण - 7 हिन्दी

८. दोहा अष्टक

अभ्यास / स्वाध्याय

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) बड़े लोगों की संकुचित मनोस्थिति व्यक्त करने के लिए खजूर के पेड़ का उदाहरण क्यों दिया गया है?

➤ खजूर का पेड़ बड़ा तो होता है, पर उससे पथिक को न छाया मिलती है, न उसके फल मिलते हैं। उसी तरह बड़े लोगों की मनोवृत्ति संकुचित होती है उनसे दूसरों को कोई लाभ नहीं होता।

(2) साधु पुरुष कैसा होना चाहिए? क्यों?

➤ साधु पुरुष सूप के स्वभाववाला होना चाहिए, क्योंकि सूप सारयुक्त वस्तु (अच्छा अनाज) ग्रहण कर निस्सार वस्तु (कचरा) को बाहर फेंक देता है।

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

➤ तुलसीदास सबसे हिल-मिलकर रहने को कहते हैं, क्योंकि उससे हमें सुख, शांति और सुरक्षा मिलती है।

(4) आप गरीब लोगों की मदद कैसे कर सकते हैं?

➤ हम गरीब लोगों के बच्चों को पढ़ाकर उनकी मदद कर सकते हैं। हम पढ़ाई में आनेवाली उनकी समस्याएँ दूर करें।

(5) सज्जन लोग अपनी संपत्ति का उपयोग कैसे करते हैं?

➤ सज्जन लोग दूसरों का भला करने में अपनी संपत्ति का उपयोग करते हैं।

2. नीचे दिए गए शब्दों में विलोम शब्दों के सही जोड़े बनाइए और उदाहरण के अनुसार वाक्य में प्रयोग कीजिए:

➤ आदर, स्वकाज, बुरा, परकाज, प्रेम, नजदीक, नफ़रत, मृत, अच्छा, अनादर, जीवित, छोटा, दूर, बड़ा, असत्य, सत्य

उदाहरण: (1) सत्य - गांधीजी सत्य बोलते थे।

(2) असत्य - हमें असत्य नहीं बोलना चाहिए।

(1) आदर - अनादर

➤ आदर - हमें बड़ों का आदर करना चाहिए।

➤ अनादर - हमें किसीका अनादर नहीं करना चाहिए।

(2) स्वकाज - परकाज

- स्वकाज - मैं यहाँ स्वकाज के लिए आया था।
- परकाज - सज्जन लोग परकाज के लिए धन का संग्रह करते हैं।

(3) बुरा - अच्छा

- बुरा - उसे अपने कर्मों का बुरा फल भुगतना पड़ा।
- अच्छा - उसने यहाँ अच्छा नाम कमाया।

(4) प्रेम - नफरत

- प्रेम - हम सबसे प्रेम करें।
- नफरत - संत पुरुष किसीसे नफरत नहीं करते।

(5) नजदीक - दूर

- नजदीक - बाजार मेरे घर के नजदीक है।
- दूर - पाठशाला मेरे घर से दूर है।

(6) मृत - जीवित

- मृत - उस दुर्घटना में कई लोग मृत पाए गए।
- जीवित - मलबे में से कई लोग जीवित निकले।

(7) छोटा - बड़ा

- छोटा - हमारा घर छोटा है
- बड़ा - वह बड़ा आदमी है।

3. अंदाज अपना-अपना

कभी-कभी कुछ इलाकों में बारिश बिल्कुल भी नहीं होती। नदी-नाले, तालाब सूख जाते हैं। फसलों के लिए पानी नहीं मिलता। खेत सूख जाते हैं। पशु-पक्षी, जानवर और लोग भूखों मरने लगते हैं। ऐसे समय में वहाँ रहनेवाले लोगों को मदद की जरूरत होती है। तुम भी लोगों को मदद कर सकते हो। सोचकर बताओ तुम अकाल में परेशान लोगों की मदद कैसे करोगे?

➤ हम अकालग्रस्त लोगों के लिए धन इकट्ठा करेंगे।
उस धन से हम अनाज तथा दूसरी जरूरी चीजें
खरीदकर उन्हें देंगे। हम टैंकर मँगवाकर अकालग्रस्तों
को पानी सुलभ कराएंगे। हम उनके जानवरों के लिए
चारे की व्यवस्था करेंगे।

4. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

(1) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।

सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय॥

➤ कबीरजी कहते हैं कि साधु का वेश धारण करने से ही कोई साधु नहीं बन जाता। साधु वह है जिसकी बुद्धि शुद्ध हो, जिसमें विवेक हो। साधु का स्वभाव सूप के समान होना चाहिए। सूप अनाज को अपने पास रख लेता है और कचरे को बाहर फेंक देता है। सच्चा साधु भी ज्ञान की बातें ग्रहण करता है और व्यर्थ की बातों में वह दिलचस्पी नहीं लेता।

(2) तुलसी हाथ गरीब की, कबहूँ न खाली जाय।

मुए ढोर के चाम से, लौह भस्म हो जाय॥

➤ तुलसीदासजी कहते हैं कि गरीब को कभी नहीं सताना चाहिए। गरीब की हाथ (बदुआ) लेने से हमारा नुकसान होता है। जब मरे हुए पशु के चमड़े से बनी धौंकनी से लोहा जल जाता है तो जिंदा व्यक्ति की हाथ क्या नहीं कर सकती? वह तो सतानेवाले का सर्वनाश ही कर देती है। इसलिए किसी गरीब को सताना नहीं चाहिए और उसकी हाथ कभी नहीं लेनी चाहिए।

(3) रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि ॥

- लोग बड़े लोगों के ठाट-बाट से प्रभावित होकर साधारण लोगों की उपेक्षा करने लगते हैं। रहीमजी कहते हैं कि बड़े लोगों से प्रभावित होकर सामान्य लोगों से मुँह मोड़ना अच्छा नहीं है। युद्ध में तलवार भले काम की हो, पर कपड़े सीने के लिए तो, छोटी सुई ही काम आती है। जो काम छोटे कर सकते हैं, बड़े नहीं कर सकते। इसलिए समाज में छोटों का भी महत्त्व है। हमें उनसे नहीं मोड़ना चाहिए।

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) साधु कैसा होना चाहिए?

➤ साधु सूप जैसे स्वभाववाला होना चाहिए। सूप फटकते समय अच्छे अनाज को अपने पास रख लेता है और कचरे को बाहर फेंक देता है। उसी तरह साधु को सारयुक्त वस्तु ग्रहण करनी चाहिए और निस्सार वस्तु छोड़ देनी चाहिए।

(2) कबीर जी लालच को क्यों बुरी चीज कहते हैं ?

➤ लालच व्यक्ति की बुद्धि और उसके विवेक को नष्ट कर देता है। मक्खी लालच के कारण गुड़ पर बैठती है और उसमें फँस जाती है। फिर वह पछताती है, पर उसमें से निकल नहीं पाती। उसी तरह जो व्यक्ति लालच में पड़ता है, वह अंत में पछताता है। इसलिए कबीरजी लालच को बुरी चीज कहते हैं।

(3) तुलसीदास सब से हिल-मिलकर रहने को क्यों कहते हैं ?

➤ **हिल-मिलकर रहने से आपस में प्रेमभाव बढ़ता है। किसीसे वैर-विरोध नहीं होता। सब एक-दूसरे को सहयोग देते हैं। तुलसीदासजी इसीलिए नदी और नाव के संयोग की तरह सबसे हिल-मिलकर रहने के लिए कहते हैं।**

(4) 'गरीब की हाय' के लिए कौन-सा उदाहरण दिया गया है?

➤ 'गरीब की हाय' के लिए लुहार की धौंकनी का उदाहरण दिया गया है। धौंकनी मरे हुए जानवर के चमड़े से बनती है। धौंकनी से निकली हुई हवा आग को तेज करती है। उससे लोहा भी भस्म हो जाता है। गरीब की हाय धौंकनी से निकली हुई हवा की तरह होती है। वह बदुआ बनकर हमारा सर्वनाश कर देती है।

(5) रहीम प्रेम का धागा तोड़ने के लिए क्यों मना करते हैं?

➤ प्रेम का धागा बहुत नाजुक होता है। उसे खींचने से वह टूट जाता है। धागा एक बार टूट जाने पर फिर वह जुड़ता नहीं। अगर जुड़ता भी है तो उसमें गाँठ पड़ जाती है। उसमें पहले जैसे संबंध की मधुरता नहीं रहती। इसलिए रहीम प्रेम का धागा टूट न जाए, इसका ध्यान रखने के लिए कहते हैं।

Thanks



For watching